भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2117 जिसका उत्तर

शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025/21 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है

चेन्नई बंदरगाह पर संघर्ष

† 2117. श्री बी. मणिक्कम टैगोर :

श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत :

श्री सुरेश कुमार शेटकर :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष में चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के अधिकारियों और अन्य विभागीय कर्मचारियों के बीच रसद और कार्गो संचालन में टकराव के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) बंदरगाह अधिकारियों और रसद प्रदाताओं के बीच विवादों के कारण परिचालन में देरी और ऐसे टकरावों के लिए अधिकारियों को जवाबदेह ठहराए जाने की बार-बार प्राप्त रिपोर्टें दिए जाने पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या इन बार-बार होने वाले आंतरिक विवादों की स्वतंत्र जाँच या अन्वेषण किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) ग्राहकों की शिकायतों का समाधान करने और चेन्नई बंदरगाह पर कार्गो संचालन में और अधिक व्यवधानों को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) सरकार का विचार रसद कंपनियों और निर्यातकों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए बंदरगाह के विभागों के बीच उचित समन्वय किस प्रकार सुनिश्चित करने का है और ऐसी चूकों से निपटने के लिए क्या उत्तरदायी उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): चैन्ने पत्तन में वर्तमान वर्ष और विगत तीन वर्षों के दौरान चैन्ने पत्तन प्राधिकरण के अधिकारियों और अन्य विभागीय कर्मचारियों के बीच रसद और संचालन के संबंध में कोई विवाद दर्ज नहीं किया गया है।

(घ) से (ङ): चैन्ने पत्तन द्वारा पत्तन उपयोगकर्ताओं की किसी भी शिकायतों का निवारण करने हेतु आवधिक बैठकें आयोजित की जाती है। इसके माध्यम से पत्तन विभागों और रसद कंपनियों/ निर्यातकों के बीच उचित समन्वय बनाकर रखा जाता है, जिससे उनमें आपसी विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। चैन्ने पत्तन में डिजीटलीकरण के प्रयासों से पारदर्शिता ओर जवाबदेही बढ़ी है।

*****